आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 17.03.2026 समय : 0705

<><><><><><><><>

- भारत सरकार ने पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत देश भर में 'पशु औषधि विक्रय केंद्र' खोलने की एक नई योजना शुरू की है।
- अंडमान निकोबार प्रशासन ने द्वीपसमूह में ऑल–टेरेन व्हीकल के संचालन के लिए आधिकारिक दिश–निर्देशों को मंजूरी प्रदान की है।
- द्वीपसमूह में मानसिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए अनिम्स की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- प्रदेश कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष ने जीबी पंत अस्पताल में बुजुर्गों के लिए परामर्श प्रक्रिया को सरल बनाने का अनुरोध किया।

<><><><><><><><>

भारत सरकार ने पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत देश भर में 'पशु औषधि विक्रय केंद्र' खोलने की एक नई योजना शुरू की है। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में सस्ती, जेनेरिक पशु चिकित्सा दवाएं उपलब्ध कराना है। पंजीकृत प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र और सहकारी समितियां, जिनके पास कम से कम 120 वर्ग फुट की जगह, एक पंजीकृत फार्मासिस्ट और राज्य औषधि नियंत्रण प्राधिकरण से दवा बिक्री का लाइसेंस हो, पात्र हैं। प्रत्येक राजस्व ब्लॉक में केवल एक केंद्र की ही अनुमति होगी। सरकार इस योजना में संचालकों को वित्तीय सहायता के तहत आकांक्षी जिलों, पहाड़ी क्षेत्रों, द्वीपसमूह और पूर्वोत्तर राज्यों में केंद्र खोलने पर 1.5 लाख रुपये की सहायता प्रदान करेगी। केन्द्र में केवल भारतीय औषधि एवं चिकित्सा उपकरण ब्यूरो द्वारा आपूर्ति की गई दवाएं ही बेची जा सकेंगी। बिलिंग के लिए आधिकारिक Point-of-Sale सिस्टम का उपयोग अनिवार्य है। इन केंद्रों पर एथ्नो–वेटेरनरी उत्पाद और प्रमाणित पशु आहार भी बेचे जा सकते हैं। इसके लिए आवेदन शुल्क 5,000 रुपये, जबकि आकांक्षी क्षेत्रों के लिए निशुल्क है। आवेदन ऑनलाइन माध्यम से pashuaushadhi.dahd.gov.in पर किए जा सकते हैं। विस्तृत दिशा–निर्देश dahd.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार प्रशासन ने द्वीपसमूह में ऑल–टेरेन व्हीकल–ए टी वी के संचालन के लिए आधिकारिक दिश–निर्देशों को मंजूरी दे दी है। इन नियमों का मुख्य उद्देश्य एटीवी गतिविधियों को विनियमित करना और पर्यटकों एवं ऑपरेटरों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस सिलसिले में इच्छुक व्यक्तियों, उद्यमियों और फर्मों से निर्धारित दिशा–निर्देशों के अनुसार एटीवी संचालित करने की अनुमति प्राप्त करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदकों को दिशा–निर्देशों में दिए गए सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना आवेदन जमा करना होगा। विस्तृत दिशानिर्देश, पात्रता की शर्तें और आवेदन का प्रारूप सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय की आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। ऑल–टेरेन व्हीकल एक ऐसा वाहन है जो उबड़–खाबड़ रास्तों, रेत और कच्चे मार्गों पर चलने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

<><><><><><><>

द्वीप जैव विविधता केंद्र और भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के क्षेत्रीय केंद्र की ओर से अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य वन संरक्षण, जैव विविधता और वन पारिस्थितिकी तंत्र के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। वन और स्वस्थ अर्थव्यवस्थाएं (कैसे वन सतत समृद्धि लाते हैं, आजीविका प्रदान करते हैं और प्रकृति–आधारित समाधान पेश करते हैं) विषय पर यह प्रतियोगिता कल सुबह 10 बजे से भारतीय प्राणी सर्वेक्षण विभाग में आयोजित होगी। इसमें छात्र, शिक्षक, शोधकर्ता और वैज्ञानिक भाग ले सकते हैं।

<><><><><><><>

मनारघाट ग्राम पंचायत के अंतर्गत राइटम्यो में फिश लैंडिंग रैंप पर एक नए शेड का उद्घाटन हाल ही में फरारगंज पंचायत समिति प्रमुख ने किया। इस शेड का निर्माण के लिए मत्स्य विभाग ने 10 लाख रुपये के सहायता अनुदान जारी किया। इसके निर्माण से मछुआरों को कई सुविधाएं मिलेगी। उद्घाटन अवसर पर फरारगंज पंचायत समिति प्रमुख और अधिशासी अधिकारी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की बुनियादी ढांचा सुविधा स्थानीय मछुआरा समुदाय की आजीविका को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह चिकित्सा विज्ञान संस्थान ने NIMHANS और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के समर्थन से कल कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य द्वीपसमूह में मानसिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए रणनीतियों पर चर्चा करना था। कार्यक्रम में प्रशासकों, शोधकर्ताओं, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, शिक्षा और जनजातीय कल्याण जैसे विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों के साथ–साथ एनजीओ ने भी भाग लिया। कार्यशाला की अध्यक्षता प्रशासन की स्वास्थ्य सचिव वंदना राव ने किया। उन्होंने भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण द्वीपों में सर्वेक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए अनुसंधान टीम और फील्ड जांचकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने जोर देकर कहा कि मानसिक स्वास्थ्य समग्र स्वास्थ्य का एक अनिवार्य हिस्सा है और नीतियों को आकार देने में साक्ष्य–आधारित डेटा बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने द्वीपों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं, बुनियादी ढांचे और मानव संसाधनों को मजबूत करने के लिए निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया। NIMHANS के प्रोफेसर और NMHS–2 के मुख्य अन्वेषक डॉ. गिरीश एन. राव ने इस सर्वेक्षण के राष्ट्रीय महत्व और देश भर में मानसिक स्वास्थ्य नीतियों के मार्गदर्शन में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

<><><><><><><>

प्रदेश कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष रंगलाल हलदर ने अनिम्स के निदेशक से जीबी पंत अस्पताल में 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए परामर्श प्रक्रिया को सरल बनाने का अनुरोध किया है। उन्होंने अपने लिखे पत्र मे कहा कि बुजुर्गों के लिए डॉक्टरों और विशेषज्ञों से मिलने के लिए घंटों लाइन में खड़ा होना कठिन होता है। इसलिए उन्होंने प्रस्ताव दिया है कि पंजीकरण पूरा करने के बाद, उन्हें सीधे डॉक्टर के कक्ष में प्रवेश की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने निदेशक से अस्पताल के संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी करने का आग्रह किया।

<><><><><><><>

मध्योत्तर अंडमान जिला उपायुक्त सुशांत पाधा ने मायाबंदर स्थित डॉ. आर.पी. अस्पताल में एक नई एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट एस. कृष्णा चैतन्य, पंचायती राज संस्थानों के सदस्य, अस्पताल के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में जिला उपायुक्त ने स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से जिले के दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों को समय पर चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। इस नई एम्बुलेंस के शामिल होने से क्षेत्र में आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया और रोगियों को लाने–ले जाने की सेवाओं में मजबूती आएगी।

<><><><><><><>

मध्योत्तर अंडमान जिला पुलिस ने कालीघाट पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में ऑपरेशन सी विजिल अभियान के दौरान एक इंजन वाली लकड़ी की डिंगी के साथ नौ म्यांमारी तस्करों को पकड़ा। पुलिस ने डिंगी के निरीक्षण के दौरान लगभग 350 किलोग्राम समुद्री ककड़ी बरामद की। इंजन डिंगी और उसमें रखे सभी सामान को जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के खिलाफ जीरो–टोलरेंस की नीति अपनाई जाएगी।

<><><><><><><>

इग्नू ने जनवरी 2026 सत्र के लिए प्रवेश और पुनः पंजीकरण की अंतिम तिथि को बढ़ा दी है। उम्मीदवार ओडीएल और ऑनलाइन मोड पर सेमेस्टर–आधारित, योग्यता–आधारित और प्रमाण पत्र कार्यक्रमों को छोड़कर सभी अधिसूचित कार्यक्रमों के लिए 30 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं। प्रथम और द्वितीय वर्ष के स्नातक तथा स्नातकोत्तर, प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए 200 रुपये विलंब शुल्क के साथ अगले वर्ष में पुनः पंजीकरण की तिथि भी 30 मार्च तक बढ़ा दी गई है। छात्र इग्नू की वेबसाइट पर जाकर 'Student Service&Admission' सेक्शन के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

<><><><><><><>